क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर का जन्मदिन रिकॉर्ड्स के बादशाह

Page-04

tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

कार्तिक आर्यन के 'पर्सनैलिटी राइट्स' की सुरक्षा का आदेश दिया

Page-05

यह घटनाक्रम आम आदमी पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष और नेतृत्व को लेकर उठ रहे सवालों के बीच सामने आया है।राघव चड्ढा समेत कई राज्यसभा सांसदों का भारतीय जनता पार्टी में जाना पार्टी के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है।इससे राज्यसभा में शक्ति संतुलन पर असर पड़ सकता है और राष्ट्रीय राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावना बढ़ गई है।

AAP को बड़ा झटका!

राघव चड्ढा समेत कई सांसद BJP में शामिल

- **दो-तिहाई समर्थन से पार्टी विलय का दावा किया**
- **AAP छोड़ BJP में शामिल हुए कई राज्यसभा सांसद**

राजनीतिक गलियारों में शुक्रवार को उस वक्त हलचल तेज हो गई जब राघव चड्ढा, अशोक कुमार मित्तल और संदीप पाठक ने आम आदमी पार्टी (A A P) छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का ऐलान कर दिया। इस कदम को अरविंद केजरीवाल के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है।एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में तीनों नेताओं ने अपने फैसले की घोषणा की। राघव चड्ढा ने कहा कि राज्यसभा में AAP के दो-तिहाई सांसद होने के नाते वे संविधान के प्रावधानों का उपयोग करते हुए भाजपा में विलय करेंगे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में हस्ताक्षरित दस्तावेज राज्यसभा अध्यक्ष को सौंप दिए गए हैं। राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक 2022 से AAP के राज्यसभा सदस्य रहे हैं। अपने बयान में चड्ढा ने पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस पार्टी को उन्होंने अपने "खून-पसीने से सींचा" और जिसमें उन्होंने 15 साल दिए, वह अब अपने मूल सिद्धांतों और मूल्यों से भटक चुकी है। उन्होंने कहा कि पार्टी अब राष्ट्रीय हितों की बजाय निजी लाभ के लिए काम कर रही है।चड्ढा ने भावुक अंदाज में कहा, "मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं," और यही कारण है कि उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला लिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्यसभा में AAP के कुल 10 सांसदों में से दो-तिहाई से अधिक इस निर्णय के समर्थन में हैं। उन्होंने बताया कि उनके अलावा हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल भी इस फैसले के साथ हैं और प्रक्रिया में शामिल हैं। इस घटनाक्रम से राज्यसभा में AAP की स्थिति कमजोर होने की संभावना है, जबकि भाजपा को राजनीतिक तौर पर मजबूती मिल सकती है। हालांकि, इस बड़े फैसले पर आम आदमी पार्टी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नॉर्वे का बड़ा फैसला 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया बैन

नॉर्वे ने शुक्रवार को बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की कि वह 16 साल तक के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर रोक लगाने के लिए एक नया कानून लाएगा। सरकार साल 2026 के अंत तक संसद में इस संबंध में बिल पेश करने की योजना बना रही है। इस प्रस्ताव के तहत बच्चों की उम्र की पुष्टि करने की जिम्मेदारी टेक्नोलॉजी कंपनियों पर डाली जाएगी। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य बच्चों को एक सुरक्षित और संतुलित बचपन देना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बच्चों का जीवन खेल-कूद, दोस्ती और वास्तविक अनुभवों से भरा होना चाहिए, न कि एल्गोरिदम और स्क्रीन के प्रभाव में सीमित।इस पहल से पहले ऑस्ट्रेलिया दिसंबर 2025 में ऐसा कानून लागू करने वाला दुनिया का पहला देश बना था, जिसमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया। ऑस्ट्रेलिया के इस कदम के बाद कई यूरोपीय देश भी इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, नॉर्वे सरकार ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि किन-किन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को इस कानून के तहत शामिल किया जाएगा।

देश में लू का कहर

कई शहरों में पारा 44°C पार

देश के कई हिस्सों में गर्मी और लू का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के कई शहरों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। श्रीगंगानगर देश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.5°C दर्ज किया गया। वहीं प्रयागराज और अमरावती में 44.4°C तथा अकोला में 44.3°C तापमान रिकॉर्ड हुआ। भीषण गर्मी को देखते हुए जयपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर और दौसा में स्कूलों का समय सुबह 7:30 बजे से कर दिया गया है। इसके अलावा बीकानेर, झुंझुनूं और जैसलमेर में सरकारी कार्यों के समय में भी बदलाव करते हुए मजदूरों के काम का समय सुबह 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक तय किया गया है।दक्षिण भारत में केरल के कन्नूर में लू लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जो इस सीजन का पहला मामला बताया जा रहा है। वहीं ओडिशा में भी हीटवेव का असर जारी है, जहां कई स्थानों पर तापमान 44°C तक पहुंच गया और 24 जगहों पर 40°C से अधिक दर्ज हुआ। दूसरी ओर, पूर्वोत्तर राज्यों असम और मेघालय में भारी बारिश और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कई अन्य राज्यों में भी आंधी-बारिश की चेतावनी दी गई है, जिससे मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल सकता है।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल

ज्ञानेश कुमार पर विपक्ष का बड़ा हमला

राज्यसभा में शुक्रवार को विपक्षी दलों के गठबंधन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव में उन पर चुनाव प्रक्रिया के दौरान पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने और आचार संहिता के पालन में असमानता बरतने के आरोप लगाए गए हैं।विपक्ष ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी द्वारा 18 अप्रैल को दिए गए राष्ट्र के नाम संबोधन के खिलाफ की गई शिकायतों पर चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। यह संबोधन पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले हुआ था, जिसे लेकर सवाल उठाए गए।कांग्रेस नेता जयराम रमेश और टीएमसी की सागरिका घोष ने यह प्रस्ताव राज्यसभा में पेश किया। जयराम रमेश ने बताया कि विपक्ष के 73 सांसदों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया है और राष्ट्रपति को संबोधित एक नोटिस सौंपा गया है।प्रस्ताव में कहा गया है कि ज्ञानेश कुमार पर 15 मार्च 2026 के बाद के कार्यों और चूकों को लेकर "सिद्ध कदाचार" के आरोप हैं। विपक्ष का दावा है कि उनके खिलाफ नौ ठोस आरोप दर्ज हैं और उनका पद पर बने रहना लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। हालांकि, इस मामले पर अभी तक चुनाव आयोग या सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पंजाबियों के साथ फिर धोखा

केजरीवाल का BJP पर तीखा हमला

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने एक बार फिर पंजाबियों के साथ धोखा किया है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि भाजपा का रवैया पंजाब के लोगों के हितों के खिलाफ है और यह विश्वास तोड़ने जैसा है।इसी मुद्दे पर भगवंत मान ने भी भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पंजाब के साथ विश्वासघात किया है और राज्य के लोगों की उम्मीदों को ठेस पहुंचाई है। मान ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा अन्य दलों के नेताओं को अपने साथ जोड़ने के लिए "वॉशिंग मशीन" की तरह काम करती है, जहां विपक्षी दलों के नेताओं को शामिल कर लिया जाता है।भगवंत मान ने शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस का जिक्र करते हुए कहा कि इन दलों के नेताओं को भी इसी तरह भाजपा में शामिल किया गया है।उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा का पंजाब में कोई मजबूत जनाधार नहीं है और पार्टी केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस तरह के कदम उठा रही है। इस बयान के बाद राज्य की सियासत में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
tv भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2- 3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

भारत-UK रिश्तों में नई रफ्तार, रणनीतिक साझेदारी मजबूत

NSA अजीत डोभाल और ब्रिटेन के समकक्ष के बीच वार्ता में आतंकवाद, खालिस्तान मुद्दा, पश्चिम एशिया संकट और सुरक्षा सहयोग पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने भारत-यूके रणनीतिक साझेदारी, टेक्नोलॉजी, रक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई और विज़न 2035 के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (N S A) अजीत डोभाल ने गुरुवार को अपने ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन पॉवेल के साथ व्यापक और महत्वपूर्ण वार्ता की। इस बातचीत का मुख्य केंद्र आतंकवाद, उग्रवाद और विशेष रूप से यूनाइटेड किंगडम में सक्रिय खालिस्तान समर्थक तत्वों से जुड़ी भारत की सुरक्षा चिंताओं पर विचार-विमर्श रहा। अधिकारियों के अनुसार, दोनों देशों ने मौजूदा अस्थिर भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए भारत-यूके व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई। बातचीत के दौरान पश्चिम एशिया में जारी तनावपूर्ण स्थिति और उससे वैश्विक व्यापार तथा समुद्री सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। NSA डोभाल ने इस दौरान स्पष्ट किया कि किसी भी क्षेत्रीय या अंतरराष्ट्रीय संघर्ष को सुलझाने के लिए संवाद और कूटनीति ही सबसे उपयुक्त मार्ग है। यह वार्ता वार्षिक भारत-यूके रणनीतिक संवाद के तहत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच बहुआयामी सहयोग को आगे बढ़ाना है। दोनों पक्षों ने भारत-यूके विज़न 2035 दस्तावेज़ में निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में प्रगति की समीक्षा की। इस दस्तावेज़ में प्रौद्योगिकी, रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। दोनों देशों ने इन क्षेत्रों में साझेदारी को और गहरा करने की आवश्यकता पर बल दिया।वार्ता के दौरान आतंकवाद, उग्रवाद और खालिस्तान समर्थक गतिविधियों से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। NSA डोभाल ने इन मुद्दों पर यूनाइटेड किंगडम सरकार द्वारा दिए जा रहे निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सहयोग को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके अलावा, दोनों पक्षों ने भारत-यूके टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी इनिशिएटिव (TSI) के तहत हुई प्रगति की भी समीक्षा की। इस पहल के अंतर्गत टेलीकॉम, महत्वपूर्ण खनिज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियों पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि इस सहयोग के तहत ओडिशा के भुवनेश्वर में Clas-SiC Wafer Fab Ltd (UK) और भारत की SiCSem Pvt. Ltd के संयुक्त प्रयास से सिलिकॉन कार्बाइड आधारित कंपाउंड सेमीकंडक्टर सुविधा की स्थापना संभव हो पाई है। दोनों देशों ने सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी और एडवांस्ड मैटेरियल्स जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई। रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति मिली है, और दोनों पक्षों ने भारत-यूके रक्षा औद्योगिक रोडमैप के तहत इस साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। कुल मिलाकर, यह बैठक भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच रणनीतिक, तकनीकी और सुरक्षा सहयोग को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखी जा रही है।

पीएम मोदी के कार्यक्रम से पहले रिफाइनरी में भीषण आग

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राजस्थान की पचपद्रा रिफाइनरी में अचानक आग लगने की घटना ने बड़ा विवाद और चर्चा का माहौल पैदा कर दिया है। यह वही परियोजना है जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाना प्रस्तावित था, लेकिन उससे करीब 20 घंटे पहले ही यहां भीषण आग लग गई। इस घटना ने प्रशासन को सतर्क कर दिया है और परियोजना की सुरक्षा व समय पर संचालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। करीब 13 वर्षों से निर्माणाधीन यह रिफाइनरी राज्य की सबसे बड़ी औद्योगिक और तकनीकी परियोजनाओं में से एक मानी जाती है, जिसकी लागत हजारों करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसे क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन आग लगने की घटना के बाद परियोजना की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं और दावे सामने आए हैं। कुछ लोग इसे सामान्य तकनीकी खराबी बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे वैश्विक स्तर पर रिफाइनरी और ऊर्जा क्षेत्र में हो रही घटनाओं के बड़े पैटर्न से जोड़कर देख रहे हैं।सूत्रों के अनुसार हाल के महीनों में भारत, अमेरिका, रूस, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों में रिफाइनरी से जुड़ी आग, विस्फोट और तकनीकी खराबी की घटनाएं सामने आई हैं। इसी संदर्भ में पचपद्रा रिफाइनरी की घटना को भी जोड़ा जा रहा है, हालांकि इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आग लगने के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह घटना तकनीकी खराबी का परिणाम थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण मौजूद है।

भारत-अमेरिका BTA पर वाशिंगटन में अहम बैठकें

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जानकारी दी कि 20 अप्रैल से 23 अप्रैल, 2026 तक वाशिंगटन डीसी की यात्रा पर गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) पर महत्वपूर्ण और रचनात्मक बातचीत की। मंत्रालय के अनुसार, यह बैठकें सकारात्मक माहौल में हुईं और दोनों देशों ने व्यापार से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।इन चर्चाओं में बाज़ार पहुंच, गैर-टैरिफ उपाय, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क प्रक्रिया और व्यापार सुविधा जैसे विषय शामिल रहे। इसके अलावा निवेश को बढ़ावा देने, आर्थिक सुरक्षा के तालमेल और डिजिटल व्यापार जैसे क्षेत्रों पर भी दोनों पक्षों ने गंभीरता से विचार-विमर्श किया। मंत्रालय ने बताया कि इन बैठकों के दौरान कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रगति हासिल हुई है, जो भविष्य में समझौते को अंतिम रूप देने में मददगार साबित हो सकती है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, भारत और अमेरिका दोनों इस बात पर सहमत हुए हैं कि बातचीत की इस गति को बनाए रखा जाएगा और आगे भी नियमित संपर्क के जरिए इसे आगे बढ़ाया जाएगा। इस प्रक्रिया का उद्देश्य एक ऐसे समझौते तक पहुंचना है जो दोनों देशों के लिए संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी हो। यह दौरा 7 फरवरी, 2026 को जारी संयुक्त बयान के बाद हुआ, जिसमें भारत और अमेरिका ने एक अंतरिम व्यापार समझौते के लिए रूपरेखा पर सहमति जताई थी। इस रूपरेखा में व्यापक BTA की दिशा में आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता भी शामिल थी। इसी क्रम में भारतीय प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन डीसी गया, जहां उसने अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ आमने-सामने बैठकर अंतरिम समझौते के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

इज़रायल और कुवैत का एयरस्पेस फिर से खुला

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में धीरे-धीरे सामान्य हो रही हवाई सेवाओं के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर. महाजन ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित एक अंतर-मंत्रालयी प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि कई देशों का एयरस्पेस फिर से खुलने लगा है और भारत के लिए उड़ानों की संख्या लगातार बढ़ रही है। महाजन के अनुसार, इज़रायल और कुवैत का हवाई क्षेत्र अब खुल चुका है। कुवैत से भारत के लिए जज़ीरा एयरवेज़ और कुवैत एयरवेज़ जल्द ही सीमित उड़ानें फिर से शुरू करने जा रही हैं। फिलहाल ये एयरलाइंस दम्मम हवाई अड्डा से भारत के विभिन्न शहरों के लिए नॉन-शेड्यूल्ड उड़ानें चला रही हैं। उन्होंने बताया कि 28 फरवरी से अब तक इस क्षेत्र से 12.38 लाख यात्री भारत लौट चुके हैं। संयुक्त अरब अमीरात से भारत के लिए आज करीब 110 उड़ानें संचालित होने की

उम्मीद है, हालांकि ये ऑपरेशनल और सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए सीमित हैं। वहीं बहरीन का एयरस्पेस पूरी तरह खुल चुका है और गल्फ एयर वहां से भारत के लिए उड़ानें संचालित कर रही है। इसके अलावा इराक में भी सीमित उड़ानें उपलब्ध हैं, जबकि ईरान का एयरस्पेस फिलहाल कार्गो और चार्टर्ड उड़ानों के लिए आंशिक रूप से खुला है। भारत ने ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को सतर्क रहने और ज़मीनी मार्गों से सुरक्षित निकलने की सलाह दी है।

ईरान का ट्रंप पर तंज, भारत आने की दी सलाह

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक नया कूटनीतिक और सोशल मीडिया विवाद सामने आया है। इस बार ईरान के मुंबई स्थित कॉन्सुलेट जनरल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा तंज कसा है और उन्हें भारत आकर देश की समृद्ध संस्कृति देखने की सलाह दी है। कॉन्सुलेट जनरल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर महाराष्ट्र की भौगोलिक और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा एक वीडियो साझा किया। इस पोस्ट में परोक्ष रूप से ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा गया कि यदि वे भारत आकर इसकी विविधता और संस्कृति को देखें, तो यह उनके लिए एक "सांस्कृतिक डिटॉक्स" साबित हो सकता है और शायद इससे उनकी "बकवास" भी कम हो जाए। पोस्ट में लिखा गया, "शायद किसी को मिस्टर #Trump के लिए एक तरफा सांस्कृतिक डिटॉक्स बुक कर देना चाहिए, इससे उनकी बेबुनियाद बातें कम हो जाएंगी। कभी #India आकर देखो, फिर बोलना।" यह पहली बार नहीं है जब ईरानी दूतावासों ने अमेरिकी राष्ट्रपति पर सोशल मीडिया के जरिए निशाना साधा हो। इससे पहले भी हैदराबाद स्थित ईरानी कॉन्सुलेट ने ट्रंप का एक 45 सेकंड का एआई-जनरेटेड वीडियो साझा किया था, जिसमें उन्हें अमेरिकी अधिकारियों के साथ शांति वार्ता का इंतजार करते हुए दिखाया

गया था। वीडियो में हास्यात्मक अंदाज में यह संदेश दिया गया था कि ट्रंप को एक नोट थमाया जाता है, जिसमें लिखा होता है "ट्रंप, चुप रहो।" इन घटनाओं के बीच अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में दावा किया कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी नौसैनिक दबाव "100 प्रतिशत प्रभावी" है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैन्य उपस्थिति क्षेत्र में मजबूत है और ईरानी नौसेना तथा वायुसेना को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, ट्रंप ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना से इनकार किया है और कहा है कि उन पर संघर्ष समाप्त करने का कोई दबाव नहीं है। इस पूरे घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोशल मीडिया कूटनीति और राजनीतिक बयानबाजी को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है, जहां औपचारिक वार्ताओं के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म भी तनाव और संदेशों के आदान-प्रदान का प्रमुख माध्यम बनते जा रहे हैं।

संपादक की कलम से

पानी जीवन का आधार है, लेकिन विडंबना यह है कि 21 वीं सदी में भी दुनिया के कई हिस्से, विशेषकर भारत, जल संकट से जूझ रहे हैं। बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और जल संसाधनों के दुरुपयोग ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और भी भयावह रूप ले सकता है। भारत में जल संकट का मुख्य कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। कृषि क्षेत्र में अनियंत्रित रूप से पानी का उपयोग किया जा रहा है, जिससे जल स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। इसके अलावा, नदियों और तालाबों का प्रदूषण भी एक बड़ी समस्या है। औद्योगिक कचरा और घरेलू अपशिष्ट बिना शुद्धिकरण के जल स्रोतों में मिल जाते हैं, जिससे पानी पीने योग्य नहीं रह जाता। शहरी क्षेत्रों में स्थिति और भी चिंताजनक है। तेजी से बढ़ते शहरों में जल आपूर्ति की मांग बहुत अधिक है, लेकिन इसके अनुरूप संसाधनों का विकास नहीं हो पाया है। कई शहरों में लोगों को पीने के पानी के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है या फिर महंगे दामों पर पानी खरीदना पड़ता है। यह स्थिति सामाजिक असमानता को भी बढ़ावा देती है। जलवायु परिवर्तन भी जल संकट को गहरा कर रहा है। अनियमित वर्षा, सूखा और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएँ जल संसाधनों को प्रभावित कर रही हैं। कहीं अत्यधिक बारिश से बाढ़ आ जाती है, तो कहीं बारिश की कमी से सूखा पड़ जाता है। इस असंतुलन के कारण जल प्रबंधन और भी कठिन हो गया है। इस समस्या के समाधान के लिए हमें समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले, जल संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) को अनिवार्य बनाना चाहिए और पारंपरिक जल स्रोतों जैसे कुएँ, तालाब और झीलों का संरक्षण करना होगा। इसके अलावा, कृषि में आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर पानी की खपत को कम किया जा सकता है। सरकार के साथ-साथ आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि वे पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करें। छोटी-छोटी आदतों में बदलाव, जैसे नल को खुला न छोड़ना और पानी का पुनः उपयोग करना, इस दिशा में बड़ा योगदान दे सकते हैं। अंततः, जल संकट केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्तित्व से जुड़ा हुआ प्रश्न है। यदि हम आज सचेत नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम सभी मिलकर जल संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाएँ और इस अमूल्य संसाधन को सुरक्षित रखें।

ममता बनर्जी का बड़ा दावा

बंगाल जीतकर दिल्ली में भी बीजेपी को देंगे चुनौती

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चौरंगी की जनसभा में भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में जीत के बाद वह विपक्ष को एकजुट कर केंद्र से पार्टी को हटाने का प्रयास करेंगी। उन्होंने इसे लोकतंत्र और अधिकारों की लड़ाई बताया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया है कि राज्य विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के बाद वह राष्ट्रीय स्तर पर भी पार्टी को कड़ी चुनौती देंगी। गुरुवार को कोलकाता के चौरंगी क्षेत्र में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य विपक्षी दलों को एकजुट कर केंद्र की सत्ता से भारतीय जनता पार्टी को हटाना है। अपने संबोधन में ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पार्टी में शामिल किए जा रहे लोगों की पृष्ठभूमि की गहन जांच की जा रही है और उसी आधार पर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी विपक्षी दलों की गतिविधियों पर नजर रख रही है, लेकिन उनकी पार्टी भी हर स्तर पर सतर्क है। उन्होंने कहा, "हमने उन सभी लोगों के नाम दर्ज कर लिए हैं जो भारतीय जनता पार्टी के लिए काम कर रहे हैं, ए से लेकर ज़ेड तक, और हमें उनके बारे में पूरी जानकारी है।" मुख्यमंत्री ने अपने समर्थकों में जोश भरते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी उन्हें हराने में सक्षम नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई अन्याय और अधिकारों के लिए है और वह इस संघर्ष को अंत तक जारी रखेंगी। "मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं अपनी आखिरी सांस भी यहीं लूंगी," उन्होंने भावुक अंदाज में कहा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें सत्ता की कोई लालसा नहीं है, बल्कि उनका उद्देश्य देश में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना और भारतीय जनता पार्टी को केंद्र की सत्ता से बाहर करना है। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि जैसे ही पश्चिम बंगाल में उनकी पार्टी फिर से जीत हासिल करेगी, वह सभी विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने का प्रयास करेंगी। उनका मानना है कि एकजुट विपक्ष ही राष्ट्रीय स्तर पर सत्तारूढ़ दल को चुनौती दे सकता है। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पूरी ताकत के साथ चुनाव में जुट जाएं और प्रत्येक मतदाता तक पहुंचकर पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को बताएं।चौरंगी विधानसभा सीट पर दूसरे चरण में 29 अप्रैल को मतदान होना है। इस सीट पर तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार और दो बार की विधायक नयना बंदोपाध्याय चुनाव मैदान में हैं, जिनका मुकाबला भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार संतोष पाठक से है। यह सीट लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस का मजबूत गढ़ रही है और वर्ष 2011 में पार्टी के उभार के बाद से यहां उसका लगातार कब्जा बना हुआ है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ममता बनर्जी के इस बयान के कई राजनीतिक मायने हैं। एक ओर यह राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने का प्रयास है, वहीं दूसरी ओर यह राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता की दिशा में एक संदेश भी है। आने वाले दिनों में चुनावी माहौल और भी गर्म होने की संभावना है और सभी दल अपनी-अपनी रणनीति को धार देने में जुटे हुए हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि चुनाव परिणाम ममता बनर्जी के दावों को कितना बल देते हैं और राज्य की राजनीति किस दिशा में आगे बढ़ती है।

बिहार विधानसभा में फ्लोर टेस्ट के दौरान तेजस्वी यादव का एनडीए पर हमला

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा में फ्लोर टेस्ट के दौरान एनडीए सरकार पर जोरदार हमला बोला। विशेष सत्र में बोलते हुए उन्होंने राज्य की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और सरकार बनने-बिगड़ने की प्रक्रिया पर कई सवाल खड़े किए। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर भाजपा ने पहले ही अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार स्पष्ट कर दिया होता, तो आज जैसी राजनीतिक स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। उन्होंने तर्क दिया कि स्पष्टता के अभाव के कारण ही बहुमत साबित करने के लिए एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाने की नौबत आई। उनके अनुसार, यदि पार्टी अपने इरादे पहले ही साफ कर देती तो इस तरह की अस्थिरता से बचा जा सकता था। उन्होंने चुनावी दौर के नारों का जिक्र करते हुए कहा कि "2025 से 30, फिर से नीतीश" जैसे नारे जनता के बीच गए थे, लेकिन आरजेडी को पहले से ही अंदेशा था कि भाजपा नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद पर बने नहीं रहने देगी। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने नीतीश कुमार का राजनीतिक "खेल खत्म" कर दिया है। सदन में उनके भाषण के दौरान लगातार टोका-टोकी भी होती रही, जिससे सदन का राजनीतिक माहौल और अधिक गर्म हो गया। तेजस्वी यादव ने बिहार में बार-बार बदलती सरकारों पर चिंता जताते हुए कहा कि राज्य में स्थिरता की कमी विकास को प्रभावित करती है। उन्होंने सवाल उठाया कि पिछले कुछ वर्षों में कई बार सरकार बदलना क्या संकेत देता है। उन्होंने एनडीए पर निशाना साधते हुए कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद हाल के वर्षों में बार-बार सरकार बनाने की स्थिति क्यों बन रही है। साथ ही उन्होंने सम्राट चौधरी पर भी टिप्पणी करते हुए उनके राजनीतिक सफर और नेतृत्व परिवर्तन को लेकर तंज कसा। तेजस्वी के इस तीखे बयान से बिहार की राजनीति में एक बार फिर सियासी गर्मी बढ़ गई है।

अमित शाह ने बताया सुशासन के नए युग की शुरुआत का संकेत

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान को लेकर मतदाताओं को बधाई दी है। उन्होंने इस उच्च मतदान प्रतिशत को लोकतंत्र की मजबूती और जनता की सक्रिय भागीदारी का प्रतीक बताया। शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए शांतिपूर्ण और सुरक्षित मतदान प्रक्रिया के लिए भारतीय चुनाव आयोग (ECI), केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) और पश्चिम बंगाल पुलिस की सराहना भी की। अमित शाह ने लिखा कि पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस महापर्व में ऐतिहासिक भागीदारी करते हुए कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में शांतिपूर्ण मतदान यह दर्शाता है कि राज्य में सुशासन की दिशा में एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग और सुरक्षा बलों की भूमिका की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से यह सुनिश्चित हुआ कि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो सके। शाह ने कहा कि यह चुनाव बंगाल के इतिहास में अब तक की सबसे शांतिपूर्ण और व्यवस्थित प्रक्रियाओं में से एक रहा है। भारत के चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण का मतदान गुरुवार शाम 6 बजे समाप्त हुआ, जिसमें 152 विधानसभा क्षेत्रों में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान कराया गया। इस चरण में कुल 91.83 प्रतिशत का उच्च मतदान दर्ज किया गया, जो मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। लिंग आधारित आंकड़ों में भी दिलचस्प रुझान देखने को मिला, जहां महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक मतदान किया। महिलाओं का मतदान प्रतिशत 92.69 रहा, जबकि पुरुषों का 90.92 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं ट्रांसजेंडर मतदाताओं की भागीदारी 56.79 प्रतिशत रही। कुल मिलाकर, पहले चरण का यह उच्च मतदान पश्चिम बंगाल में राजनीतिक उत्साह और लोकतांत्रिक भागीदारी की मजबूत तस्वीर पेश करता है।

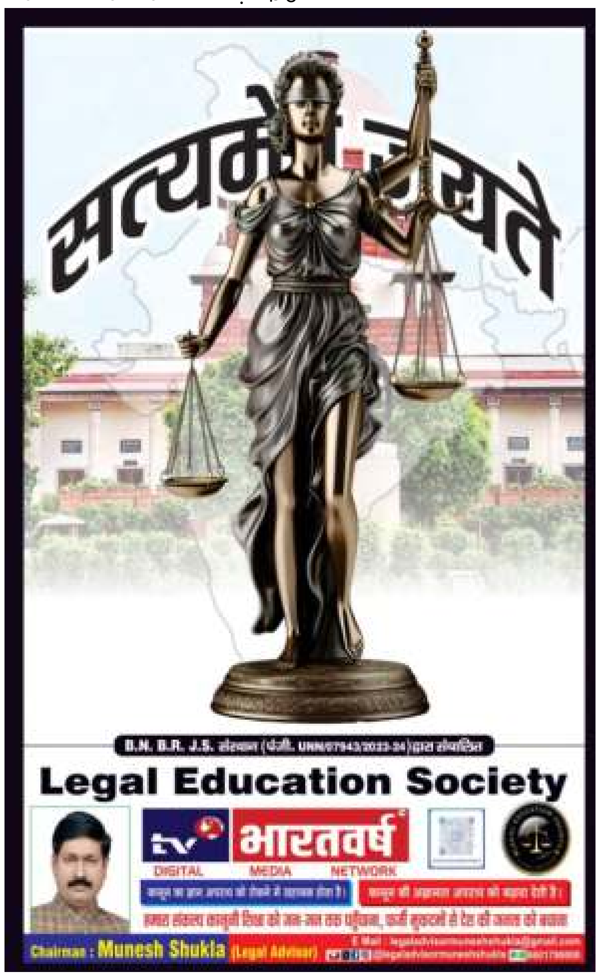

डेटा साइंटिस्ट: जरूरी स्किल्स कौन-कौन सी हैं?

करियर की शुरुआत कैसे करें और भविष्य की ग्रोथ

आज के दौर में हर कंपनी, चाहे वह ई-कॉमर्स हो, बैंकिंग हो या सोशल मीडिया, डेटा पर ही चल रही है. डेटा साइंस एक ऐसी फील्ड है, जिसमें बड़े-बड़े डेटा को समझकर काम के insights को निकालना होता है. आसान शब्दों में कहें तो डेटा साइंटिस्ट वह होता है जो डेटा को पढ़कर यह बताता है कि आगे क्या होगा या हो सकता है और अभी क्या रणनीति बनानी चाहिए.

यही वजह है कि प्राइवेट जॉब्स में डेटा साइंटिस्ट की डिमांड हाई है. हर कंपनी को अपने डेटा को एनालाइज करने वाला व्यक्ति चाहिए, जो उसके आधार पर भविष्य की रणनीति बनाने में मदद करे. भविष्य में इस फील्ड में और भी अधिक लोगों की डिमांड होने वाली है. ऐसे में समझते हैं इसमें करियर बनाने के लिए कौन सी स्किल्स और पढ़ाई जरूरी है.

डेटा साइंटिस्ट बनने के लिए कौन सी पढ़ाई करें?

अगर आप इस फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको 12वीं के बाद मैथ्स या साइंस बैकग्राउंड होना काफी मददगार हो सकता है. इसके बाद आप B.Tech (Computer Science), B Sc (Statistics/Mathematics/Data Science) जैसे कोर्स कर सकते हैं. हालांकि, अगर आपका बैकग्राउंड अलग भी है, तो भी आप इस फील्ड में आ सकते हैं-बस आपको कुछ जरूरी स्किल्स को सीखना होगा. आगे आप MSc Dta science and analytics, PG Diploma in Data Science या Data Analytics जैसे कोर्स कर सकते हैं. बड़ी कंपनियों द्वारा Diploma कोर्सेज भी मौजूद हैं जैसे IBM Data Science Professional Certificate, Google Data Analytics Professional Certificate और Microsoft Certified: Azure Data Scientist Associate. ये कोर्सेज आपके लिए काफी ज्यादा मददगार हो सकते हैं. डेटा साइंटिस्ट बनने के लिए कुछ खास स्किल्स का होना जरूरी है. सबसे पहले, आपको प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जैसे Python या R सीखनी होगी. इसके अलावा Statistics और Mathematics की बेसिक समझ होना बहुत जरूरी है, क्योंकि इसी से आप डेटा को सही तरीके से समझ सकेंगे. Machine Learning, Data Visualization (जैसे Tableau, Power BI) और SQL (Structured Query Language) जैसी स्किल्स भी सीखनी जरूरी हैं. साथ ही, Problem-solving और Analytical thinking भी इस फील्ड में काफी ज्यादा जरूरी माने जाते हैं.

करियर की शुरुआत कैसे करें और भविष्य की ग्रोथ

शुरुआत में आप छोटे-छोटे प्रोजेक्ट्स पर काम करें, जिससे आपका पोर्टफोलियो बनेगा, जैसे किसी वेबसाइट का डेटा एनालिसिस करना या कोई प्रेडिक्शन मॉडल बनाना. यह पोर्टफोलियो आपको जॉब पाने में मदद करेगा. डेटा साइंटिस्ट्स की डिमांड लगातार बढ़ रही है और इस फील्ड में करियर बनाकर आप काफी अच्छा पैसा कमा सकते हैं. आगे चलकर आप Senior Data Scientist, Machine Learning Engineer या AI Expert जैसी बड़ी पोजीशन तक पहुंच सकते हैं.

IIT खड़गपुर के AI और लीडरशिप कोर्स शुरू; ऐसे करें रजिस्ट्रेशन

तकनीक की दुनिया तेजी से बदल रही है और अब सीखने का तरीका भी बदल रहा है. ऑफिस में काम करने वाले पेशेवर अब घर बैठे देश के बड़े संस्थान से नई तकनीक सीख सकेंगे. इसी दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए आईआईटी खड़गपुर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), मशीन लर्निंग और टेक्नोलॉजी लीडरशिप से जुड़े चार ऑनलाइन एग्जीक्यूटिव कोर्स शुरू करने की घोषणा की है.

खास बात यह है कि ये कोर्स खास तौर पर कामकाजी पेशेवरों के लिए बनाए गए हैं, ताकि वे अपनी नौकरी जारी रखते हुए नई तकनीक में महारत हासिल कर सकें. अब कैंपस में आए बिना भी आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसरों से लाइव ऑनलाइन क्लास के जरिए पढ़ाई संभव होगी. कौन-कौन से कोर्स शुरू हुए?

जेनरेटिव AI और एजेंटिक AI में एग्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट

AI-नेटिव सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग

एप्लाइड AI और मशीन लर्निंग

टेक्नोलॉजी और AI लीडरशिप में एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम

इन कोर्स को संस्थान के अलग-अलग विभागों द्वारा तैयार किया गया है, जिनमें कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, AI विभाग और पार्थ घोष स्कूल ऑफ लीडरशिप शामिल हैं. पाठ्यक्रम इस तरह बनाया गया है कि छात्र केवल सिद्धांत ही नहीं, बल्कि असली दुनिया में AI के उपयोग को भी समझ सकें. बड़े लैंग्वेज मॉडल (LLM), जेनरेटिव सिस्टम और एजेंट आधारित तकनीक जैसे विषयों पर खास ध्यान दिया जाएगा

सभी कक्षाएं लाइव ऑनलाइन होंगी. यानी छात्र सीधे आईआईटी खड़गपुर के शिक्षकों से जुड़ सकेंगे. पढ़ाई का तरीका ऐसा रखा गया है कि कामकाजी लोग अपने समय के अनुसार सीख सकें. यह कदम संस्थान की उस सोच को दिखाता है, जिसमें वह कैंपस से बाहर भी अपनी शिक्षा पहुंचाना चाहता है..

अंजलि संग सचिन तेंदुलकर ने काटा बर्थडे केक

केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा कि भारत 2036 तक दुनिया के शीर्ष 10 खेल राष्ट्रों में शामिल होगा

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत 2036 तक दुनिया के शीर्ष 10 खेल राष्ट्रों में शामिल होगा और 2047 तक शीर्ष पांच देशों में अपनी जगह बना लेगा। मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने खेल प्रशासन को अधिक सुव्यवस्थित किया है और देश में एक संगठित खेल ढांचा तैयार किया गया है। उन्होंने मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के ओमपोरा में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के 30-बिस्तर वाले अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद कहा, "सरकार युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर दे रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि भारत 2036 तक दुनिया के शीर्ष 10 खेल राष्ट्रों में होगा और 2047 तक शीर्ष पांच देशों में शामिल होगा।" मंत्री ने आगे कहा कि सरकार के लगातार प्रयासों से देश में खेलों का आधारभूत ढांचा मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा, "भारत ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल की है और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी बोली लगाई है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रक्रिया जारी है।" मांडविया ने कहा, "देश में खेल पारिस्थितिकी तंत्र लगातार बेहतर हो रहा है। फिट इंडिया अभियान और खेलो इंडिया कार्यक्रम जैसे अभियानों के माध्यम से युवाओं को अधिक अवसर मिल रहे हैं। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा है कि भारत 2036 तक शीर्ष 10 और 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल होगा। उन्होंने इस विश्वास का आधार सरकार द्वारा सुव्यवस्थित खेल प्रशासन, मजबूत बुनियादी ढांचे और खेलो इंडिया जैसे अभियानों को बताया, जो युवाओं को अवसर प्रदान कर रहे हैं।

हसी ने बताया है कि धोनी अभी भी पूरी तरह फिट नहीं हो सके

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का गुरुवार को मुंबई इंडियंस से सामना हुआ। इस मैच में भी महेंद्र सिंह धोनी खेलने नहीं उतरे जिससे फैंस को एक बार फिर निराशा मिली। धोनी को लेकर कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस के दौरान कोई जानकारी नहीं दी। लेकिन टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने स्पष्ट किया है कि धोनी अब तक पूरी तरह फिट नहीं हैं जिस कारण वह मैदान पर नहीं उतरे हैं। सीएसके की टीम आईपीएल 2026 में लीग चरण के अपने आधे मुकाबले खेल चुकी है। सीएसके ने वानखेड़े स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत दर्ज की, लेकिन 44 वर्षीय धोनी इस मैच में भी नहीं खेले। धोनी ने मौजूदा आईपीएल सीजन में एक भी मैच नहीं खेला है। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले ही वह चोटिल हो गए थे और अब तक वापसी नहीं कर सके हैं। हसी ने साफ किया कि जब भी धोनी अपनी पिंडली की चोट से उबरकर लौटेंगे तो वह विकेटकीपर के तौर पर ही अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे, न कि सिर्फ एक इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलेंगे। वह अभी भी उस चोट से उबर रहे हैं जिसकी वजह से 28 मार्च को उन्हें शुरू में दो हफ्ते के लिए टीम से बाहर होना पड़ा था। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि धोनी इम्पैक्ट प्लेयर नियम का इस्तेमाल करते हुए सिर्फ एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर वापसी कर सकते हैं, खासकर तब जब संजू सैमसन और कार्तिक शर्मा विकेटकीपिंग के विकल्प के तौर पर उपलब्ध हैं। हसी ने इस संभावना को खारिज कर दिया और संकेत दिया कि धोनी विकेट के पीछे अपनी पुरानी और जानी-पहचानी भूमिका में ही वापसी करेंगे।

क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर का जन्मदिन रिकॉर्ड्स के बादशाह को दुनिया का सलाम

सचिन तेंदुलकर, क्रिकेट की दुनिया में अगर किसी को भगवान कहा गया, तो वे सचिन तेंदुलकर ही हैं। सचिन आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। वैसे आप सचिन तेंदुलकर के कई सारे रिकॉर्ड और कीर्तिमान के बारे में जानते होंगे, लेकिन क्या आपको पता है कि सचिन ने एक बार पाकिस्तान की ओर से फील्डिंग की थी। क्या है वो किस्सा, ये हम आपको बताएंगे, साथ ही ये भी जानकारी देंगे कि कैसे फिर उसी पाकिस्तान के सचिन ने छक्के छुड़ा दिए थे। साल 1989 में सचिन तेंदुलकर ने अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, लेकिन इससे पहले वे मैच देखने और कुछ ना कुछ करने जाते रहते थे। सचिन के पाकिस्तान के लिए फील्डिंग करने का किस्सा, साल 1987 का है, तब सचिन ने डेब्यू नहीं किया था और लोग उनके ज्यादा जानते भी नहीं थे। साल 1987 में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच खेला जा रहा था, ये कोई इंटरनेशनल मैच नहीं, बल्कि प्रदर्शनी मैच यानी एग्जीबिशन मुकाबला था। 20 जनवरी को ये मैच मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में था। जब मैच का लंच ब्रेक हुआ तो पाकिस्तान के जावेद मियांदाद और अब्दुल कादिर आराम करने चले गए। ऐसे में पाकिस्तान को सब्टीट्यूट फील्डर की जरूरत पड़ी। उस वक्त सचिन तेंदुलकर वहीं पर मौजूद थे। पाकिस्तान के तब के कप्तान इमरान खान ने सचिन तेंदुलकर से अनुरोध किया कि वे कुछ देर पाकिस्तान के लिए फील्डिंग कर दें, जब उनके खिलाड़ी आ जाएंगे, तब वे वापस चले जाएं। इसके बाद सचिन तेंदुलकर मैदान पर आए और इस प्रदर्शनी मैच में करीब 25 मिनट तक पाकिस्तान के लिए फील्डिंग करते हुए दिखाई दिए। इस दौरान सचिन के सामने कपिल देव का एक कैच भी आया, लेकिन सचिन इसे लपक नहीं पाए। ये अपने आप में अनोखी घटना है। इसके करीब दो साल बाद यानी 1989 में सचिन तेंदुलकर ने पाकिस्तान के ही खिलाफ अपना डेब्यू किया और वो भी पाकिस्तान में जाकर। हालांकि उनका बल्ला नहीं चला और वे पहले ही मैच में डक पर आउट हो गए थे। लेकिन बाद में जब सचिन ने रन बनाने शुरू किए तो फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। क्रिकेट में बैटिंग के ऐसे बहुत कम रिकॉर्ड हैं, जो कभी सचिन के नाम ना रहा हो। काफी टूट गए, लेकिन कुछ अभी भी बाकी हैं।

लंदन की महिला का वीडियो हो रहा है वायरल

बिहारी स्टाइल में समोसा बेच रही फिरंगी महिला!

महिला ने ऑनलाइन अपना नाम गोरिया देवी रखा है. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वह बिहारी समोसा वाले की दुकान में समोसा फ्राई करते और बेचते दिख जाती हैं. वीडियो में वो खुद को एक बिहारी लड़की बताती रहती है. वह कहती हैं कि गोरे रंग पर मत जाना, दिल से मैं एक बिहारी हूं.

लंदन की सड़कों पर बिहारी लहजे में समोसा बेच रही विदेशी महिला.

इन दिनों इंटरनेट पर बिहारी समोसा वाला के बाद गोरिया समोसा वाली वायरल हो रही है. यह फिरंगी महिला लंदन में बिहारी समोसा वाले के साथ जुड़कर काम कर रही है और बिहारी लहजे में ही रील्स बना-बना कर अपनी दुकान और काम का प्रचार कर रही है.

बिहारी लहजे में बात करती विदेशी महिला के वीडियो को लोग खूब पसंद कर रहे हैं. ठेठ बिहारी लहजे में लंदन की सड़कों पर समोसा बेचती गोरी मेम का वीडियो काफी वायरल होता रहता है. वह हर दिन समोसा बेचने के नए-नए ट्रिक बताते और रोल प्ले करती दिखती है. इस फिरंगी महिला ने ऑनलाइन अपना नाम गोरिया देवी रखा है. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वह बिहारी समोसा वाले की दुकान में समोसा फ्राई करते और बेचते दिख जाती हैं. वीडियो में वो खुद को एक बिहारी लड़की बताती रहती है. वह कहती हैं कि गोरे रंग पर मत जाना, दिल से मैं एक बिहारी हूं. हर वीडियो में वह बिहारी लहजे में पंच लाइन बोलते और समोसा बेचते दिखाई देती है. एक तरह से वो बिहारी समोसे वाले की नकल ही करती है. क्योंकि, लंदन में बिहारी समोसा वाला अपने अंदाज की वजह से काफी फेमस हुआ है और उसकी यही यूएसपी उसकी विदेशी साथी भी इस्तेमाल कर रही है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर @biharisamosa.uk नाम के हैंडल से यह विदेशी महिला वीडियो बना-बनाकर शेयर करती रहती है. इन वीडियो पर डिस्क्रिप्शन में बिहारी समोसा वाले के दो दुकान का पता भी रहता है. इस विदेशी महिला के बिहारी अंदाज को लोग खूब पसंद कर रहे हैं. लंदन में समोसा बेचने वाली एक महिला के भारत में भी काफी फैन फॉलोइंग है.

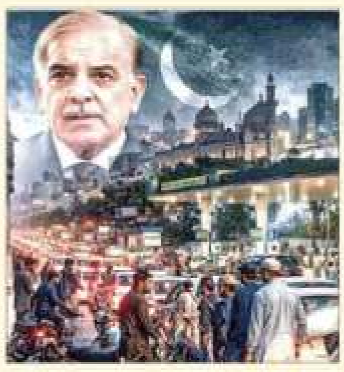

लॉकडाउन जैसे नियमों पर भड़के पाकिस्तानी

पाकिस्तान की सरकार के सितारे शायद ही कभी सीधे चलते हों और जनता हर बार उसी गर्दिश में पिसती नजर आती है. इस वक्त भी हालात कुछ ऐसे ही हैं. एक तरफ अफगानिस्तान सीमा को लेकर तनाव बना हुआ है, तो दूसरी ओर शहबाज शरीफ सरकार की नीतियों से लोग नाराज हैं. ऊपर से मिडिल ईस्ट में चल रहे संकट ने ऐसा असर डाला है कि तेल के कीमतों में आग लग गई है.

भारतीय महिला ने बताया पूरा अनुभव

जर्मनी में काम करना नहीं है आसान!

जर्मनी में काम करने को लेकर भारतीयों के बीच एक खास छवि बनी हुई है, जहां बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस और प्रोफेशनल माहौल की उम्मीद की जाती है. लेकिन हाल ही में मोनिका नाम की एक भारतीय महिला ने अपने अनुभव साझा कर इस धारणा पर नई बहस छेड़ दी है.

उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट कर बताया कि जर्मनी का वर्क कल्चर बाहर से जितना परफेक्ट दिखता है, असल में उससे काफी अलग है. मोनिका के अनुसार, जर्मनी में करियर ग्रोथ तेज नहीं बल्कि धीमी और स्थिर होती है. यहां प्रमोशन

एक तय संरचना और समय के अनुसार मिलते हैं, न कि अचानक तेजी से आगे बढ़ने के रूप में. सैलरी में बढ़ोतरी भी सीमित रहती है और नौकरी बदलने पर भी अपेक्षा के अनुसार बड़ा उछाल देखने को नहीं मिलता.

इंजीनियर ने बताया जॉब गई तो क्या करेंगे

गूगल से निकाले गए, जवाब से छाए

अमेरिका में रहने वाले एक टेक प्रोफेशनल की कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल है.उन्होंने एक ऐसा सवाल पूछा है, जिसने हर नौकरी करने वाले इंसान को सोचने पर मजबूर कर दिया.अगर आपको पता हो कि कल आपकी जॉब चली जाएगी, तो आप आज क्या अलग करेंगे.

यह सवाल उस इंजीनियर ने उठाया, जिसे हाल ही में गूगल से नौकरी से निकाल दिया गया. उसने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उसने अपनी नौकरी के दिनों की झलक दिखाई. वीडियो में ऑफिस का माहौल, रोजमर्रा का काम और वह लाइफस्टाइल दिखी, जिसे देखकर लोग इसे परफेक्ट करियर

इंजीनियर ने कहा जीवन की कई चीजें सिर्फ काम के लिए टाल दीं.

मानते हैं. इस वीडियो की असली बात उसके शब्दों में छिपी थी.

उसने लिखा कि उसने हमेशा अपने जीवन में काम को सबसे ऊपर रखा.

उसे लगता था कि अगर वह ज्यादा मेहनत करेगा, ज्यादा घंटे काम करेगा और अपनी छुट्टियां टाल देगा, तो उसका भविष्य सुरक्षित रहेगा.लेकिन जब अचानक उसकी नौकरी चली गई, तो उसकी सोच पूरी तरह बदल गई. उसने कहा कि इतनी मेहनत के बावजूद आखिर में कुछ भी उसके हाथ में नहीं रहा. उसने यह भी बताया कि आज के समय में कंपनियों का किसी भी समय कर्मचारियों को निकाल देना आम बात बन गई है.यानी चाहे आप कितने भी मेहनती क्यों न हों, जॉब की कोई गारंटी नहीं है.

बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिया सख्त आदेश, कार्तिक आर्यन के 'पर्सनैलिटी राइट्स' की सुरक्षा का आदेश दिया

बॉलीवुड के 'शहजादा' कार्तिक आर्यन अब उन चुनिंदा सितारों की फेहरिस्त में शामिल हो गए हैं, जिन्हें अपने नाम, चेहरे और आवाज के इस्तेमाल पर कानूनी सुरक्षा प्राप्त है। ऐश्वर्या राय बच्चन, सलमान खान और करण जौहर के बाद, बुधवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने कार्तिक आर्यन के 'पर्सनैलिटी राइट्स' (व्यक्तित्व अधिकारों) की सुरक्षा का आदेश दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कार्तिक की तस्वीरों और इमेज का बिना अनुमति के व्यावसायिक (Commercial) इस्तेमाल करना अब अपराध माना जाएगा। 'बार एंड बेंच' की एक रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस शर्मिला देशमुख ने कहा कि वह कार्तिक आर्यन के पक्ष में आदेश पारित करेंगी। जो लोग इस बारे में नहीं जानते, उन्हें बता दें कि यह कदम तब उठाया गया, जब कार्तिक आर्यन के वकील, सीनियर वकील बीरेंद्र सराफ ने ऐसे कंटेंट की ओर कोर्ट का ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि इसमें से कुछ कंटेंट अपमानजनक (scandalous) था, और कुछ का इस्तेमाल मर्चेंडाइज़ (सामान) बेचकर पैसे कमाने के लिए किया जा रहा था। कार्तिक आर्यन के पर्सनैलिटी राइट्स के कई कथित गलत इस्तेमाल की ओर इशारा करते हुए, उनके वकील, सीनियर वकील बीरेंद्र सराफ ने कहा, "मैं चाहता हूँ कि वही आदेश पारित हो, जिस पर आपकी लॉर्डशिप (जज साहिबा) ने पहले विचार किया था—कि जब मैं उन्हें किसी कंटेंट के बारे में बताऊँ, तो वे उसे हटा दें। मैं यह नहीं चाहता कि वे खुद से (suo motu) कोई जाँच-पड़ताल करें। मुझे जिस भी कंटेंट के बारे में पता चलेगा, मैं उन्हें बताता रहूँगा, और वे उसे हटा सकते हैं। वह एक जाने-माने एक्टर हैं; उनके नाम का भी ट्रेडमार्क है। उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल मर्चेंडाइज़ बेचने के लिए किया जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की मदद से बनाए गए वीडियो भी मौजूद हैं। इनमें से कुछ कंटेंट काफी खराब है, और कुछ उनकी पर्सनैलिटी पर बुरा असर डाल रहा है। कुछ कंटेंट तो बेहद अपमानजनक है।" अपनी याचिका में, कार्तिक आर्यन ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और सरकारी अधिकारियों को यह निर्देश देने की भी माँग की है कि वे ऐसे कंटेंट को हटाएँ, जो उनके पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन करता है, और साथ ही उन गुमनाम अपराधियों की पहचान उजागर करें, जो ऐसा कर रहे हैं।कार्तिक आर्यन के अलावा, बॉलीवुड के कई अन्य सितारों ने भी अपने पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है। इनमें अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन, करण जौहर, सुनील शेट्टी और अक्षय कुमार शामिल हैं। इन सितारों में से कई लोगों द्वारा दायर की गई याचिकाओं पर कोर्ट ने आदेश भी पारित किए हैं। फिल्मों की बात करें तो, कार्तिक आर्यन आखिरी बार रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा' में अनन्या पांडे के साथ नज़र आए थे। वह अगली बार मृगदीप लांबा के क्रिएचर ड्रामा 'नागज़िला' में नज़र आएंगे, जिसे करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस का समर्थन प्राप्त है।

शिवराज सिंह चौहान ने गिनाईं उपलब्धियां
चुनौतियों पर भी दिया जोर

इस बयान का संदर्भ लखनऊ में आयोजित उत्तरी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन से जुड़ा है, जहां शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों के कृषि मॉडल पर जोर दिया।उन्होंने योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को कृषि उत्पादन में अग्रणी बताया।यह बयान ऐसे समय आया है जब देश में खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय और कृषि सुधार बड़े नीति मुद्दे बने हुए हैं।केंद्र सरकार अब जलवायु के अनुसार खेती, बेहतर बीज और कृषि विविधीकरण पर फोकस बढ़ा रही है।साथ ही, नकली खाद-पेस्टीसाइड, मिट्टी की खराब सेहत और बदलते मौसम जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए राज्यों को रणनीतिक रोडमैप बनाने की जरूरत बताई गई है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी नंबर वन है। उन्होंने इतिहास रचा है। उनके नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में लगातार उन्नयन हो रहा है। लखनऊ में आयोजित उत्तरी क्षेत्र के क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि देश की अलग-अलग जलवायु है। हमें अलग-अलग जोन के हिसाब से काम करना होगा। सभी राज्यों को अपने हिसाब से रणनीति बनानी होगी।खाद्यान्न उत्पादन में यूपी नम्बर वन है। उपलब्धि है तो समस्याएं भी है। अब हमें खाद्यान्न उत्पादन में किसी का मुंह नहीं देखना है। 25 लाख मीट्रिक टन निर्यात कर रहे हैं फिर भी 1.40 करोड़ की आबादी के लिए तीन बिंदु पर काम करना होगा। खाद्य सुरक्षा, किसान की आजीविका, पोषण इन तीन लक्ष्यों को लेकर आगे बढ़ना होगा। किसान के नुकसान की भरपाई करना होगा। कृषि के विविधीकरण पर ध्यान रखना होगा। यूपी में खाद की खपत बढ़ी है। पंजाब मिट्टी की सेहत खराब होने का सामना कर रहा है। इससे सबक लेना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बीज है। अच्छा और जलवायु के अनुकूल बीज देना होगा। 3400 नई किस्में आईसीआर ने खोजा है। आगे बारिश कम हुई तो कैसे बीज की जरूरत पड़ेगी इस पर तैयार रहना होगा। नकली खाद और नकली पेस्टीसाइड से सावधान रहना होगा। इसके लिए एक्ट बना रहे हैं। ऐसा करने वालों के खिलाफ राज्य सरकार को अभियान चलाना होगा। हर राज्य का कृषि रोड मैप बनना चाहिए। करीब 16 हजार कृषि वैज्ञानिक है। इस दिशा में कार्य करें। लक्ष्य तैयार करें। खरीफ रबी के साथ दीर्घकालीन रोड मैप बनाएं। फॉर्मर रजिस्ट्री का काम चल रहा है। कुछ राज्य पीछे हैं। उन्हें इस दिशा में काम करना होगा। इससे किसानों को 16 तरह का फायदा मिलेगा। किसान क्रेडिट कार्ड में काम करना होगा। राज्य सरकार अभियान चलाकर हर किसान का कार्ड बनाएं। विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया गया है। कृषि वैज्ञानिक लैब से लैंड तक पहुंचे। गांव में जाए और किसान की जिज्ञासा शांत करें। वैज्ञानिक गांव में जाएंगे तो किसान को फायदा मिलेगा। वैज्ञानिकों की उपयोगिता बढ़ेगी। राज्य में कृषि विकसित संकल्प अभियान शुरू करें। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि के उन्नयन के लिए सभी राज्यों को अपने-अपने हिसाब से काम करना होगा। खाद्यान्न उत्पादन में यूपी नम्बर वन है। यहां उपलब्धियां हैं तो समस्याएं भी हैं।

उज्बेकिस्तान की एक महिला को पुलिस ने हिरासत में लिया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के नाका थाना क्षेत्र में संदिग्ध हालत में घूम रही उज्बेकिस्तान की एक महिला को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जांच में महिला का बताया गया नाम फर्जी निकला। उसके पास मिला वीजा भी फर्जी है। पुलिस ने विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया- 21 मार्च की रात करीब 1 बजे पानदरीबा इलाके में एक विदेशी महिला सड़क किनारे संदिग्ध अवस्था में खड़ी दिखाई दी। उसके पास कई लोग आते और कुछ बात करके निकल जाते। गश्त कर रही पुलिस को उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं। उसके बाद उसे पकड़कर मिशन शक्ति केंद्र लाया गया। दूतावास से संपर्क करने पर नाम का खुलासा पूछताछ में महिला ने अपना नाम मुबीन और खुद को उज्बेकिस्तान की निवासी बताया। मामले की सूचना एलआईयू और अन्य खुफिया एजेंसियों को दी गई। दूतावास से संपर्क करने पर पता चला कि महिला का वास्तविक नाम खुजेविया जियोडा है। पुलिस जांच में सामने आया कि महिला के पास मौजूद वीजा भी फर्जी है। इस पर पानदरीबा पुलिस चौकी में तैनात दरोगा नीरज कुमार सिंह की तहरीर पर विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। थाना प्रभारी अभिनव वर्मा ने बताया कि महिला के खिलाफ नाका थाने में 23 अप्रैल की शाम FIR दर्ज कर ली गई। उसका पासपोर्ट जांच के लिए भेजा गया है। वह शहर में कहां रह रही थी और भारत आने का उसका उद्देश्य क्या था? इन सवालों के आधार पर गहन जांच की जा रही है।

14 फर्मों के खाद्य तेलों एवं अन्य उत्पादों पर पाबंदी
वितरण और भंडारण पर भी लगी रोक

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश में मानक के विपरीत बिक्री पर 14 फर्मों के खाद्य तेलों एवं अन्य उत्पादों पर पाबंदी लगा दी गई है। ये फर्में खाद्य तेल और वसायुक्त किसी भी उत्पाद को नहीं बना सकेंगी। इनके उत्पाद की बिक्री, भंडारण और वितरण प्रतिबंधित किया गया है। यह प्रतिबंध खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की आयुक्त डा. रोशन जैकब ने लगाया है। प्रदेश में खाद्य तेलों में मिलावट की शिकायत पर 23 फरवरी को प्रदेशभर में 58 टीमों ने 64 खाद्य तेल इकाइयों की जांच की। इसमें 56 इकाइयों से 206 नमूने लिए गए। नमूनों की जांच भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा अधिकृत प्रयोगशालाओं में कराई गई। जांच में संबंधित नमूने असुरक्षित और अधोमानक पाए गए हैं। कुछ उत्पादों में लेड तत्व की अधिक मात्रा पाई गई है, जो मानव जीवन के लिए खतरनाक है। कई उत्पादों में अनधिकृत रूप से एक से अधिक खाद्य तेलों का मिश्रण किया गया। फोर्टिफाइड तेलों में विटामिन की मात्रा कम पाई गई, जिससे उपभोक्ताओं को धोखा दिया जा रहा था। ऐसे में इन कंपनियों के तेल और वसायुक्त उत्पादों पर प्रतिबंध लगा लगा दिया गया है। इन कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

हिंद वेज ऑइल प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ
संकट मोचन एंटरप्राइसेस, लखनऊ
भीम श्री, प्रोडक्ट कानपुर एनआर उद्योग, कानपुर
कटारिया एडिबल्स, कानपुर
वैभव एडिबल्स, कानपुर देहात

मंटोरा ऑयल प्रोडक्शन प्राइवेट लि., कानपुर देहात
आगरा ऑयल जनरल इंडस्ट्री लि, हाथरस
एनएम ऑयल कॉरपॉरेशन, आगरा
जीएस एग्रो फूड्स, मेरठ
जेपी एग्रो ऑयल, मेरठ
राजेन्द्र कुमार सुशील चंद, मेरठ
केएल वेजिटेबल ऑयल प्रोडक्ट, प्रा लि, हापुड़
जय लक्ष्मी सोलवेंटस प्रा लि, गोरखपुरखाद्य पदार्थ एवं वसा तेल में लेड तत्व की अधिक मात्रा सेहत के लिए हानिकारक है। इसी तरह अलग-अलग पैरामीटर पर अधोमानक पाए गए उत्पादों की फर्मों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

युवती से दुष्कर्म किया गया
35 हजार रुपए भी ऐंठे

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में यूपीएससी की तैयारी कर रही एक युवती से दुष्कर्म किया गया है। आरोप है कि इंस्टाग्राम पर चार साल पहले हुई दोस्ती के बाद युवक ने युवती की आपत्तिजनक तस्वीरें हासिल कर लीं और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म किया। 35 हजार रुपए भी ऐंठ लिए। पीड़िता के पिता की शिकायत पर हुसैनगंज थाने में आगरा निवासी अमित कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अमित कुमार आगरा के गड़सान इलाके का रहने वाला है और हैंडीक्राफ्ट का काम करता है। चार साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए उसकी पहचान युवती से हुई थी। इसी दौरान उसने विश्वास में लेकर युवती की आपत्तिजनक तस्वीरें मंगवा लीं। बाद में उन्हें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। पीड़िता के अनुसार, 21 अप्रैल 2026 को आरोपी उसके फ्लैट में घुस आया। उसने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया, जिससे युवती की हालत बिगड़ गई। इसके बाद आरोपी ने दुष्कर्म किया और उसे कमरे में छोड़कर फरार हो गया। घटना के अगले दिन यानी 22 अप्रैल की रात करीब 2 बजे युवती ने फोन कर अपने पिता को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। हुसैनगंज थाने के एसएसआई सुनील कुमार मौर्य ने बताया कि आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

लखनऊ नगर निगम के संपूर्ण समाधान दिवस में 191 शिकायतें

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

नगर निगम मुख्यालय में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में नागरिकों की कुल 191 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें सबसे अधिक 84 शिकायतें हाउस टैक्स से संबंधित रहीं, जबकि जलकल विभाग से जुड़ी 8 शिकायतें प्राप्त हुईं। कार्यक्रम में मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड के हरिओम नगर क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग सड़क और जलभराव की समस्या लेकर पहुंचे। स्थानीय निवासियों ने बताया कि क्षेत्र में सड़क न होने के कारण लगातार जलभराव की स्थिति बनी रहती है, जिससे आपसी विवाद बढ़ रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस समस्या के कारण तनाव बढ़ा और एक व्यक्ति ने मानसिक दबाव में आत्महत्या तक कर ली। इस दौरान स्थानीय पार्षद नरेश रावत भी शिकायतकर्ताओं के साथ पहुंचे। उन्होंने क्षेत्र में सड़क और नालियों के निर्माण के लिए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह का पत्र मेयर को सौंपा, हालांकि बाद में यह पत्र वापस कर दिया गया। हरिओम नगर की निवासी गुड़िया ने बताया कि इलाके में न तो सड़क बनी है और न ही उचित नाली व्यवस्था है, जिससे घरों के आसपास लगातार जलभराव रहता है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति के कारण लोगों के बीच आए दिन झगड़े होते रहते हैं और जीवन मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासी कोमल श्रीवास्तव ने बताया कि गली में जल निकासी की व्यवस्था न होने से हालात और खराब हैं।

शैतानी करता था, इसलिए गुरुकुल में पीट-पीटकर मार डाला

गुरुवार को दिव्यांश के अंतिम संस्कार के बाद पुलिस ने पिता की तहरीर पर आरोपी मूल निवासी छतरपुर सौरभ मिश्रा (27) और छतरपुर की ही गर्लफ्रेंड हर्षिता सोनी (23) को गिरफ्तार कर लिया। ये दोनों वर्तमान में लखनऊ के पारा इलाके में किराये पर रहते थे। पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए। पुलिस ने आरोपी मामा और उसकी गर्लफ्रेंड से पूछताछ की। दोनों ने जो बयान दिए, उसे सुन अफसर भी सन्न रह गए। मामा ने पुलिस को बताया- दिव्यांश गुरुकुल के नियमों का पालन नहीं कर रहा था। वह कक्षा में शोर मचाता था। बच्चों से बातें करता था। गाना गाता, डांस करता। उसकी शरारत देख अन्य बच्चे भी कुछ ही दिनों में उसके रंग में रंगने लगे थे। जिसे देख मुझे उससे चिढ़ आने लगी थी। इस वजह से तीन दिनों से दिव्यांश की बेरहमी से पिटाई कर रहा था। सौरभ ने कबूला कि तेज धूप में दिव्यांश के कपड़े उतार कर उसे नंगे पैर छत पर खड़ा कर देता था। छाया की ओर भागने पर उसे पीटता। दिव्यांश को छोड़ सभी बच्चों को खाना दिया जाता था। वह भूख से रोता तो डंडों से उसकी पिटाई की जाती थी। आरोपी मामा ने बताया कि मंगलवार रात करीब 9 बजे सभी बच्चे कमरे में सोने चले गए। मैं दिव्यांश से इतना चिढ़ गया था कि मैंने उसे रात भर पीटने की ठान ली थी। उसे एकांत जगह पर लेकर आने लगा तो वह चिल्लाने लगा, जिस पर मेरा पारा और चढ़ गया। मैंने थप्पड़, लात-घूंसे, डंडा, बेल्ट जो कुछ मिला उससे पिटाई की। रोने पर उसे घसीट कर दीवार पर पटक दिया, जिससे उसके सिर पर चोट लग गई। उस दिन पता नहीं मुझे क्या हो गया था कि पिटाई के दौरान उसकी हालत का ख्याल ही नहीं रहा। मार खाकर वह बेहोश गया। मैं उसे छोड़ कर चला गया। सुबह देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। सौरभ ने बताया- दिव्यांश की मौत की खबर फैलते ही गुरुकुल के सारे बच्चे जमा हो गए। मैंने गुरुकुल के पास ही किराए पर रहने वाली गर्लफ्रेंड हर्षिता सोनी को बुलाया। उसने सभी बच्चों को अपने-अपने घर भेज दिया। परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए। मेरे लिए कार बुक की। मैं कार से दिव्यांश की लाश उसके घर के पास फेंक कर फरार हो गया। पुलिस ने डीवीआर खंगाली तो उसमें दिव्यांश के साथ हुई बर्बरता की ऐसी फुटेज मिली, जिससे पुलिस अधिकारी सन्न रह गए। एडीसीपी अंजली विश्वकर्मा ने बताया कि बीते तीन दिनों की फुटेज चौंकाने वाली थी। फुटेज में सामने आया कि आरोपी सौरभ तीन दिनों से उसकी बेरहमी से पिटाई कर रहा था। सौरभ, दिव्यांश को भरी धूप में हाथ ऊपर करवा कर घंटों तक सजा देता। मेस में सभी बच्चों को खाना दिया जा रहा है, लेकिन दिव्यांश को भूखा रहने की सजा मिली थी। मेस की फुटेज में साफ दिख रहा है कि बच्चे खाना खा रहे, जबकि दिव्यांश कोने में रोता बिलखता दिख रहा है। सपा नेताओं ने परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन देते हुए घटना को बेहद दुखद बताया। नसीम सोलंकी ने कहा कि सरकार 'जीरो टॉलरेंस' की बात करती है, ऐसे में इस घटना के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आरोपियों की संपत्तियों पर बुलडोजर कार्रवाई की जाएगी।

किसान आंदोलन के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात की

गंगा सिटी परियोजना से संबंधित अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को नवागत जिलाधिकारी घनश्याम मीणा से मुलाकात की। इस दौरान किसानों ने ट्रांस गंगा सिटी परियोजना से संबंधित अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से उठाया।

अजय अनमोल ने जिलाधिकारी को ट्रांस गंगा सिटी परियोजना से प्रभावित किसानों की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि 16 जनवरी 2014 को हुए समझौते के अनुसार, प्रभावित किसानों को निशुल्क प्लॉट दिए जाने की प्रक्रिया में लगातार देरी हो रही है। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से इस प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध किया, ताकि किसानों को जल्द उनके प्लॉट मिल सकें।प्रतिनिधिमंडल ने ट्रांस गंगा सिटी से प्रभावित आठ गांवों – शंकरपुर सराय, सन्नी, मुरलीपुर, कन्हवापुर, लक्ष्मी खेड़ा, नया खेड़ा, पिपरी और पिंडोखा – में गंभीर विद्युत समस्या का मुद्दा भी उठाया। किसानों ने बताया कि इन गांवों में लो वोल्टेज और बार-बार फाल्ट होने से बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। ऐरा भदियार बिजलीघर की लगभग 20 किलोमीटर की दूरी इस समस्या को और बढ़ा देती है, जिससे ग्रामीणों को विशेषकर गर्मी में काफी परेशानी हो रही है।इस बाधित आपूर्ति से न केवल घरेलू कार्य प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि खेती-किसानी और सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन भी बाधित हो रहा है। किसानों ने जिलाधिकारी को एक लिखित पत्र सौंपकर मांग की कि इन गांवों को ट्रांस गंगा सिटी स्थित नजदीकी बिजलीघर से जोड़ा जाए, ताकि निर्बाध और सुचारू विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए जाएंगे। इसके बाद, प्रतिनिधिमंडल ने अपर जिलाधिकारी (एडीएम) सुशील कुमार गौड़ से भी मुलाकात की और ट्रांस गंगा सिटी के किसानों को निशुल्क प्लॉट आवंटन के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षण अभियंता, विद्युत विभाग को भी एक पत्र भेजकर गांवों को नजदीकी बिजलीघर से जोड़ने की मांग दोहराई। इस मुलाकात के दौरान पुनीत अवस्थी, सुभाष राजपूत, अखिलेश राजपूत, लल्लन शर्मा, कल्याण राजपूत और दिनेश राजपूत सहित कई किसान मौजूद रहे। किसानों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन उनकी समस्याओं का जल्द समाधान करेगा।

मेट्रोमोनियल साइट से ठगी, 35.11 लाख वापस कराए

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

सदर कोतवाली के सिविल लाइन मोहल्ला निवासी सेवानिवृत्त प्रोफेसर विनीता द्विवेदी ने अपनी डॉक्टर बेटी की शादी के लिए मेट्रोमोनियल साइट पर लड़का देखा था। लड़के के पिता ने शादी के अलग-अलग संस्कारों के नाम पर उनसे 75,11,353 रुपये विभिन्न माध्यमों से अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए थे। रुपये देने के करीब 45 दिन बाद उन्हें ठगी का पता चला। 17 जनवरी 2026 को उन्होंने साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। साइबर थाना पुलिस ने धोखाधड़ी से ली गई धनराशि को पीड़िता के संबंधित खातों में फ्रीज कराया। इसके बाद संबंधित बैंक के जरिए पत्राचार कर 35,11,101 रुपये पीड़िता के खाते में वापस कराए। प्रभारी निरीक्षक राजेश पाठक ने बताया कि शेष धनराशि को भी वापस कराने का प्रयास किया जा रहा है।

डीसीएम पलटने के बाद आपस में भिड़ीं दो बसें

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 228 पर बृहस्पतिवार रात 12:45 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। दिल्ली से बस्ती जा रही कूलर लदी डीसीएम अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराते हुए दूसरी लेन में जाकर पलट गई। तभी लखनऊ की ओर से आ रही बस के चालक ने ब्रेक लगाकर वाहन नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन उसके पीछे से आ रही दूसरी बस उसी में पीछे से भिड़ गई। इससे यात्रियों में चीख पुकार मच गई। हादसे में सात यात्री घायल हुए, जिन्हें एम्बुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया। अन्य का इलाज चल रहा है। एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में आपस में टकराईं दोनों बसों में 40-40 यात्री सवार थे। टक्कर इतनी तेज थी कि बस में बैठ यात्री एक दूसरे पर गिर गए और चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत-बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टर ने उपचार के दौरान राकेश सिंह (35) पुत्र बहादुर सिंह निवासी गोमती नगर लखनऊ मूल निवास उत्तराखंड को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायलों में दिल्ली के बदरपुर निवासी रविकुमार (25), राजस्थान के झुंझनू जिले के कोदाराकला निवासी सुरेश (45), बीकानेर निवासी रामसुंदर, आजमगढ़ के सुनील (35), देवरिया के मोइनुद्दीन (55) और कुशीनगर के नागेंद्र कुमार (35) शामिल हैं। डीसीएम से बचने में आपस में टकराईं दो बसें चार घायलों की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर किया है। कोतवाल अखिलेशचंद्र पांडेय ने बताया कि डीसीएम चालक को झपकी आने से हादसा लग रहा है। डीसीएम से बचने में टकराईं आपस में दो बसों में एक की मौत हुई है और छह गंभीर घायल हैं। इनमें चार को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। राहत और बचाव कार्य किए जा रहे हैं। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर डीसीएम पलटने के बाद दो बसें आपस में भिड़ गईं, जिसमें लखनऊ के एक युवक की मौत हो गई। हादसे में छह यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से चार की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

बिछिया गांव में एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

उन्नाव के पुरवा थाना क्षेत्र के बिछिया गांव में एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) से पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला को फांसी लगाने की हालत में अस्पताल लाया गया था। डॉक्टरों ने उसे वहां मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच-पड़ताल शुरू की। मृतका की पहचान दीक्षा विश्वकर्मा (लगभग 30 वर्ष) पुत्री राजेंद्र विश्वकर्मा, निवासी ग्राम बिछिया, थाना पुरवा के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि दीक्षा की शादी 13 अप्रैल 2025 को नमन विश्वकर्मा निवासी ग्राम रावल, थाना अचलगंज से हुई थी। वह इन दिनों एमए की परीक्षा देने के लिए अपने मायके आई हुई थी। परिजनों के अनुसार, दीक्षा ने घर के अंदर पंखे से दुपट्टा बांधकर फांसी लगा ली। घटना की जानकारी होते ही परिजन उसे तुरंत सीएचसी बिछिया ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि विवाहिता की शादी को सात वर्ष से कम समय हुआ है। नियमानुसार ऐसे मामलों में मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में जांच की जाती है। उपजिलाधिकारी सदर को सूचित कर दिया गया है और उनके निर्देशन में पंचनामा की कार्रवाई की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों और अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ जारी है।

एक फसल से तीन तक का सफर

यूपी की कृषि प्रगति पर योगी आदित्यनाथ का बयान

यह बयान लखनऊ में आयोजित क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन के दौरान दिया गया, जहां योगी आदित्यनाथ और शिवराज सिंह चौहान मौजूद थे।मुख्यमंत्री ने कहा कि अब फोकस केवल नीतियां बनाने पर नहीं बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर हैउन्होंने कृषि में तकनीक, वैज्ञानिकों की भूमिका और 'लैब टू लैंड' मॉडल को बड़ी सफलता बताया।राज्य में कृषि विकास दर और उत्पादन बढ़ने के साथ किसानों की भागीदारी भी मजबूत हुई हैयह बयान कृषि क्षेत्र में सुधार, नवाचार और किसानों को सशक्त बनाने की दिशा को दर्शाता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ शुक्रवार को एक क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन में भाग लिया, जिसमें कृषि क्षेत्र को बदलने में प्रौद्योगिकी, संस्थागत सुधारों और जमीनी स्तर पर भागीदारी के प्रभाव पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जोर केवल नीति बनाने पर नहीं बल्कि उनके वास्तविक कार्यान्वयन पर है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्र हैं। यदि इन अलग-अलग क्षेत्रों में सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए, तो ठोस परिणाम अवश्य प्राप्त होंगे। अब प्रयोगशाला को सफलतापूर्वक खेत तक, यानी सीधे खेतों तक ले जाया गया है।उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के पास पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन पहलों को आगे बढ़ाने के लिए निर्णायक नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि जब भारत सरकार ऐसी पहलों का नेतृत्व करती है, तो राज्य सरकारें भी उसका अनुसरण करती हैं। हमें अपने किसानों को अवसर प्रदान करने चाहिए; वे परिणाम देने के लिए तैयार और सक्षम हैं। 2017 में कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) की स्थिति पर विचार करते हुए, उन्होंने याद किया कि उस समय 69 केंद्र थे और कई बंद होने की कगार पर थे। उन्होंने कहा कि उस समय तक कृषि विज्ञान केंद्रों के साथ मेरा अनुभव सकारात्मक नहीं रहा था। लेकिन आज, उत्तर प्रदेश के प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र ने कुछ न कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। आजकल, ये वैज्ञानिक किसानों के साथ सीधे बातचीत करते हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उत्तर प्रदेश की कृषि विकास दर 8 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान लगातार घटता रहा है। आज के समय में प्रौद्योगिकी निर्णायक भूमिका निभा सकती है। मुख्यमंत्री योगी ने आगे बताया कि धान का उत्पादन 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पहुंच गया है और सरकार का लक्ष्य लागत कम करते हुए उत्पादन बढ़ाना है। उन्होंने किसान राम शरण वर्मा का उदाहरण देते हुए कहा कि राम शरण वर्मा ने केवल 10वीं कक्षा पास की है, फिर भी खेती में महारत हासिल करने की इच्छा रखने वाला कोई भी व्यक्ति उनसे बहुत कुछ सीख सकता है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि जिन क्षेत्रों में पहले प्रतिवर्ष केवल एक फसल का उत्पादन होता था, अब वहां प्रतिवर्ष तीन फसलें तक उगाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले किसानों को मार्गदर्शन और जानकारी के लिए पर्याप्त संपर्क सूत्र नहीं मिलते थे।

42 सालों तक दबे राज से पर्दा उठ गया, अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में पुलिस ने 42 सालों से फरार चल रहे एक वारंटी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी को जिंदा या मुर्दा पेश करने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था। 70 साल का रतन उर्फ रतना सालों से पहचान छिपाकर गुमनाम जिंदगी जी रहा था। पुलिस के मुताबिक, साल 1983 में गैर इरादतन हत्या के एक मामले में रतन और उसके साथी मनिया उर्फ मनीराज को जिला अदालत ने 6-6 साल की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ दोनों ने 1984 में हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद रतन बाहर आया, लेकिन फिर कभी अदालत में पेश नहीं हुआ और फरार हो गया। फरारी के बाद रतन ने अपना पुराना ठिकाना छोड़ दिया और भीमनगर से निकलकर रामगढ़ के नारायण नगर में बस गया। उसने अपने अतीत को इस तरह छुपाया कि उसके परिवार और बच्चों तक को नहीं पता था कि वह कानून की नजर में वांछित आरोपी है। बताया जा रहा है कि वह एक फैक्ट्री में मजदूरी कर सामान्य जीवन बिता रहा था। CO सिटी प्रवीण कुमार तिवारी के मुताबिक, पुलिस जब आरोपी तक पहुंची तो वह हैरान रह गया। उसने कहा कि उसे कभी उम्मीद नहीं थी कि 42 साल बाद पुलिस उसके घर तक पहुंच जाएगी। उसे लगा था कि समय के साथ मामला खत्म हो चुका होगा। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने स्वीकार किया कि वह इतने सालों तक इस डर में जीता रहा कि कहीं

वैदिक मंत्र उपचार के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नेईको पार्क का लोकार्पण किया

वैदिक मंत्र उपचार के बीच फीता काटकर लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईको पार्क का भ्रमण किया। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने उन्हें पार्क में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। इस दौरान नगर आयुक्त ने मुख्यमंत्री के समक्ष चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से यहां के पूर्व और वर्तमान स्थिति का तुलनात्मक दृश्य भी प्रस्तुत किया। पार्क का भ्रमण करने के दौरान सीएम योगी ने परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। ईको पार्क में वेस्ट से बनी कलाकृतियों को देखकर सीएम ने प्रसन्नता जताई और वेस्ट से ही बने शेर की कलाकृति के सामने फोटो खिंचवाई। इस दौरान सांसद रवि किशन ने अपना मोबाइल निकाला और फोटो लेने के लिए मुख्यमंत्री की शेर के साथ फोटो लेने के लिए फिल्मी तरीके से दिशा बताने लगे। ईको पार्क के विकास के लिए नगर निगम की पूरी टीम की तारीफ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम ने गोरखपुर शहर के प्रवेश द्वार पर कचरे को कंचन में बदलने का काम किया है। 2.26 लाख मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण कर बनाया गया ईको पार्क पूरे परिवार के लिए पिकनिक स्पॉट और बेहतरीन पर्यटन स्थल बन गया है। यहां पर बच्चों के खेलने के लिए पार्क है। योग और ध्यान की क्रिया के लिए व्यक्ति यहां आराम से बैठ सकता है। उन्होंने कहा कि यह जो परिवर्तन आया है, वह गोरखपुर के विकास का मजबूत विश्वास और यहां की टीम के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। कार्यक्रम में सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि सीएम योगी का विजन अद्वितीय है। वह कचरा में हीरा खोज लेते हैं। वह असंभव को संभव कर देते हैं। उनकी सोच से एकला बांध पर जहां गटर था, वहां अब रोजगार मिलेगा। यहां फिल्मों की शूटिंग भी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में गोरखपुर विकास की नजीर पेश कर रहा है। जहां बीमारी पहचान बन गई थी, वहां अब विकास का विश्वास है।

ATS ने एक बड़ा एक्शन लेते हुए 2 ऐसे आरोपियों को अरेस्ट किया

उत्तर प्रदेश एंटी टेररिज्म स्क्वॉड यानी ATS ने एक बड़ा एक्शन लेते हुए 2 ऐसे आरोपियों को अरेस्ट किया है, जो कथित रूप से पाकिस्तान के गैंगस्टर्स शहजाद भट्टी और खुफिया एजेंसी I S I के कहने पर भारत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश कर रहे थे। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बागपत के रहने वाले तुषार चौहान उर्फ हिजबुल्ला अली खान और दिल्ली निवासी समीर खान के तौर पर हुई है। ATS को जानकारी मिली थी कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, खासकर इंस्टाग्राम के माध्यम से भारतीय युवाओं को निशाना बनाकर उन्हें कट्टरपंथ की तरफ धकेला जा रहा है और भारत में स्लीपर सेल को तैयार किया जा रहा है। फिर पड़ताल में सामने आया कि पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आबिद जट, ISI के इशारे पर भारतीय युवाओं को बरगला रहे हैं। उन्हें लालच और ब्रेनवॉश के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के लिए उकसा रहे थे। ATS की टीम ने इस खबर पर एक्शन लेते हुए आज (23 अप्रैल को) नोएडा से दोनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया। उनके पास से ATS एक पिस्टल, 5 जिंदा कारतूस और एक चाकू बरामद किया है। शुरुआती पूछताछ में खुलासा हुआ है कि तुषार उर्फ हिजबुल्ला अली खान सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान में मौजूद हैंडलर्स के संपर्क में आया था। वहां से उसको टारगेटेड लोगों पर अटैक करने, यहां तक कि ग्रेनेड फेंकने के निर्देश मिले थे। इसके एवज में उसे लाखों रुपये और विदेश भेजने का लालच पाकिस्तानियों ने दिया था। वहीं, समीर खान को पाकिस्तानी हैंडलर ने Tehrik-e-Taliban Hindustan के नाम से प्रचार-प्रसार करने और दूसरे युवाओं को जोड़ने का काम दिया गया था। ATS अब इन दोनों के दूसरे साथियों और इस नेटवर्क से जुड़े लोगों की खोज रही है।